सत्र - 01
अंक- 04
सोमवार
06 जनवरी, 2014
पौष 13, 1935 (शक)

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्यमेव जयते

पांचवी विधान सभा

पहला सत्र

अधिकृत विवरण
(खण्ड - 01 में अंक 01 से 05 तक सम्मिलित हैं)

विधान सभा सचिवालय
पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054

Delhi Legislative Assembly Library
Acc. No. R-15015
Source विधान सभा सचिवालय, दिल्ली
Price
Signature

विषय सूची

-01 सोमवार 06 जनवरी, 2014/पौष 13, 1935 (शक) अंक-04

सं. विषय	पृष्ठ संख्या
सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची	1-2
सदन पटल पर प्रस्तुत पत्र (उपराज्यपाल के अभिभाषण की प्रति)	3-13
निधन संबंधी उल्लेख	14-32
विविध (रोहणी स्थित सम्पूर्णा नाम की सोसाइटी के संबंध में)	33-38

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-01 दिल्ली विधान सभा के प्रथम सत्र का चौथा दिन अंक-04

दिल्ली विधान सभा

सदन अपराहन 11.25 बजे समवेत हुआ।

अध्यक्ष महोदय (श्री एम.एस. धीर) पीठासीन हुए।

निम्नलिखित सदस्य सदन में उपस्थित हुएः-

1. श्री अजीत सिंह खड़खड़ी
2. श्री अखिलेश पति त्रिपाठी
3. श्री अनिल झा
4. श्री अनिल कुमार शर्मा
5. श्री अरविंदर सिंह लवली
6. श्री अशोक कुमार
7. श्री आसिफ मो. खान
8. श्रीमती वंदना कुमारी
9. श्री ब्रह्म सिंह तंवर
10. श्री देवेन्द्र यादव
11. श्री धर्मदेव सोलंकी
12. श्री धर्मेन्द्र सिंह
13. श्री दिनेश मोहनिया
14. श्री गुगन सिंह
15. डॉ. हर्षवर्द्धन
16. डॉ. हरीश खन्ना
17. श्री हरमीत सिंह
18. श्री हारुन यूसुफ
19. श्री हसन अहमद
20. श्री जगदीप सिंह

21. प्रो. जगदीश मुखी
22. श्री जय किशन
23. श्री जरनैल सिंह
24. श्री जितेंद्र कुमार
25. श्री जितेंद्र सिंह शंटी
26. श्री कुलवंत राणा
27. श्री मदन लाल
28. डॉ. महेंदर नागपाल
29. श्री महिंदर यादव
30. श्री मनजिंदर सिंह सिरसा
31. श्री मनोज कुमार
32. श्री मनोज कुमार शौकीन
33. चौ. मतीन अहमद
34. श्री मोहन सिंह बिष्ट
35. श्री नंद किशोर गर्ग
36. श्री नरेश गौड़
37. श्री नील दमन खत्री
38. श्री ओम प्रकाश शर्मा
39. श्री प्रद्युम्न राजपूत
40. श्री प्रह्लाद सिंह साहनी
41. श्री प्रवेश साहिब सिंह
42. श्री पवन शर्मा
43. श्री प्रकाश
44. श्री आर.पी. सिंह
45. श्री राजेश गहलोत
46. श्री राजेश गर्ग
47. श्री राजू
48. श्री राम किशन सिंघल
49. श्री रामबीर शौकीन
50. श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी
51. श्री रमेश बिधूड़ी
52. श्री रंजीत सिंह
53. श्री साहब सिंह चौहान
54. श्री संजीव झा
55. श्री सतप्रकाश राणा
56. श्री शोएब इकबाल
57. श्री सोम दत्त
58. श्री सुभाष सचदेवा
59. श्री सुरेंद्र सिंह
60. श्रीमती वीना आनंद
61. श्री विनोद कुमार बिन्नी
62. श्री विशेष रवि

दिल्ली विधान सभा

की कार्यवाही

सत्र-01 सोमवार, 6 जनवरी, 2014/ पौष,13 1935 (शक) अंक-04

सदन पूर्वाह्न 11.25 बजे समवेत हुआ।

(माननीय अध्यक्ष महोदय (श्री मनिन्दर सिंह धीर) पीठासीन हुए)

डॉ. हर्षवर्धन : अध्यक्ष महोदय, इससे पहले कि सदन की कार्यवाही शुरू की जाये, एक विषय मैं आपके बीच में रखना चाहता ह...**अंतरबाधा।**

अध्यक्ष महोदय : पहले इसको खत्म होने दीजिए। आप उसके बाद कर लीजिए...**अंतरबाधा।**

माननीय सदस्यगण पांचवीं विधान सभा के पहले सत्र में आपका हार्दिक स्वागत है। मुझे आशा है कि आप सभी माननीय सदस्य सदन चलाने में भरपूर सहयोग करेंगे।

अब सचिव, विधान सभा उपराज्यपाल महोदय के अभिभाषण की प्रति सदन पटल पर रखेंगे।

सदन पटल पर प्रस्तुत कागजात

सचिव (विधान सभा) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुमति से उपराज्यपाल महोदय के अभिभाषण की हिंदी-अंग्रेजी प्रति सदन पटल पर प्रस्तुत करता हूँ।

उपराज्यपाल का अभिभाषण

माननीय अध्यक्ष जी और माननीय सभासदों,

मैं दिल्ली की पांचवीं विधानसभा के प्रथम सत्र में आप सभी का हार्दिक स्वागत करता हूँ। मैं सभी माननीय सदस्यों को नववर्ष की शुभकामनाएं देता हूँ।

मैं सभी सम्मानित सदस्यों से यह अपेक्षा करता हूँ कि वे पिछली विधानसभा सदस्यों द्वारा स्थापित की गयी उत्कृष्ट परंपराओं को जारी रखें, ताकि लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में विधानसभा की भूमिका को मजबूत बनाया जा सके।

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2013 के सुचारु और शांतिपूर्ण संचालन के लिए मैं दिल्ली के नागरिकों, राजनीतिक दलों और सरकारी कर्मचारियों को बधाई देता हूँ।

हाल में संपन्न हुए चुनाव में दिल्ली के नागरिकों ने परिवर्तन के लिए मत दिया है। उन्होंने न केवल शासन के प्रति एक नए दृष्टिकोण में, बल्कि एक नयी राजनीतिक संस्कृति में विश्वास व्यक्त किया है। यह नागरिकों को हमारे विचारों, कार्यों और नीतियों के केन्द्र में रखने की आवश्यकता पर बल देती है।

मेरी सरकार समर्थन और जनादेश के लिए दिल्ली के नागरिकों का आभार व्यक्त करती है। साथ ही सरकार उस बड़ी जिम्मेदारी के प्रति भी सजग है जो जनता ने उसे सौंपी है। दिल्ली के नागरिकों ने जो भरोसा जताया है उसे देखते हुए सरकार अपनी उपलब्धियों के बावजूद कभी संतुष्ट होकर नहीं बैठेगी।

मेरी सरकार अत्यंत विनम्रता के साथ दिल्ली के लोगों के कल्याण के प्रति संकल्पबद्ध है। मेरी सरकार का यह प्रयास होगा कि वह दिल्ली के नागरिकों

से किए गए सभी वायदों को पूरा करे और उस भरोसे पर खरी उतरे जो लोगों ने उस पर किया है।

सरकार की प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर नागरिकों और सरकार के बीच दूरी कम करना है। सरकार विशेषाधिकार और सत्ता के उन सभी प्रतीकों को समाप्त करेगी, जो नागरिकों से सरकार को दूर करते हैं। कोई मंत्री या विधायक अपनी कारों पर लाल बत्ती का इस्तेमाल नहीं करेगा। विशेष सुरक्षा व्यवस्था का इस्तेमाल नहीं किया जायेगा।

हम सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार समाप्त करने के सभी उपाय करेंगे। लोकपाल विधेयक का वह प्रारूप पारित करना मेरी सरकार की प्राथमिकता होगी जिसके लिए अन्ना हजारे जी ने अनशन किया था।

सरकार विशेष रूप से नागरिकों के रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित करने वाली योजनाओं और परियोजनाओं में नागरिकों को शामिल करने के प्रति वचनबद्ध है। लोगों से सुझाव मांगे जायेंगे और जहां संभव होगा उन सुझावों को शहर के विकास के लिये सरकार की योजनाओं में शामिल किया जायेगा। नागरिकों के सरोकारों और चिंताओं पर ध्यान दिया जायेगा और उन्हें यथोचित महत्व प्रदान किया जायेगा। सरकार नागरिकों के रोजमर्रा के जीवन में रचनात्मक ढंग से योगदान करने की इच्छुक है।

हमारी सरकार नागरिकों का सहयोग सिर्फ योजनाएं तैयार करने मात्र तक सीमित नहीं रखेगी। सरकार के लिए यह भी महत्वपूर्ण होगा कि परियोजनाओं के चयन और उनकी प्राथमिकता निर्धारित करने में मोहल्ला और कॉलोनियों के स्तर पर नागरिकों को शामिल किया जाये। सरकार नागरिकों को यह अधिकार देगी कि वे अपने क्षेत्र में किए जाने वाले निर्माण कार्यों का स्वयं चयन करें।

मोहल्ला सभाओं के माध्यम से नागरिकों को उनके मोहल्लों के दायरे में जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करने वाले मामलों में निर्णय करने की प्रक्रिया में शामिल किया जायेगा।

दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के विषय को मेरी सरकार केन्द्र सरकार के साथ सक्रियता से उठाएगी। इससे दिल्ली में शासन की बहुसंख्य एजेंसियां कम होंगी और तेजी से निर्णय किए जा सकेंगे।

राष्ट्रीय राजधानी में बिजली कंपनियों के निजीकरण के समय से उनकी लेखा परीक्षा सीएजी से कराई जायेगी। सरकार ऐसे बिजली कंपनियों के लाइसेंस रद्द करने को तैयार है जो कंपनियां ऐसी लेखा परीखा में सहयोग नहीं करेंगी। सरकार न मूकदर्शक बनी रह सकती है और न रहेगी। यह सुनिश्चित किया जायेगा कि कंपनियों ने वित्तीय मानदंडों का गंभीर उल्लंघन नहीं किया है और यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि वे कभी ऐसा उल्लंघन न कर पायें। बिजली की आपूर्ति उचित दरों पर उपलब्ध कराने के लिये बिजली के मीटरों की जांच की जायेगी।

सरकार की प्रत्येक परिवार को प्रतिमाह 20 किलो लीटर स्वच्छ पेय जल निःशुल्क प्रदान करने की योजना है। किन्तु, यदि कोई परिवार 20 किलो लीटर से अधिक पानी का इस्तेमाल करता है तो उसे पूरी खपत का शुल्क अदा करना होगा।

एक वर्ष के भीतर अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने की कार्य योजना तैयार की जा रही है। इससे दिल्ली की 30 प्रतिशत आबादी को लाभ पहुंचेगा जो ऐसी कॉलोनियों में रह रही है। इस योजना पर जोरदार ढंग से और समयबद्ध तरीके से अमल किया जायेगा।

मेरी सरकार स्लम बस्तियों और प्रदूषित वातावरण में रहने के लिए विवश लोगों को स्वच्छ और पक्के मकान उपलब्ध कराने की परियोजनाएं भी लागू करेगी।

मेरी सरकार अनुबंध के आधार पर काम करने वाले लोगों को नियमित रोजगार प्रदान करने के प्रति वचनबद्ध है। इससे उनके लिए न केवल आमदनी सुरक्षित हो सकेगी बल्कि उनमें रोजगार सुरक्षा की भावना भी बढ़ेगी। वर्तमान में अनेक कर्मचारियों को शोषण और अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। इसे दुरुस्त करने की आवश्यकता है।

व्यापार और वाणिज्य आर्थिक गतिविधियों का केन्द्र बिन्दु है जिस पर दिल्ली की अर्थव्यवस्था टिकी हुई है। सरकार इस सदन को आश्वस्त करना चाहती है कि वह वैट व्यवस्था को सरल बनाने के प्रति वचनबद्ध है। वैट की दरों की समीक्षा भी की जायेगी।

ग्रामीण दिल्ली की जरूरतों पर पहले से अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। सरकार अन्य राज्यों की भाँति दिल्ली के गांवों में किसानों को सब्सिडी और अन्य सुविधाएं प्रदान करेगी। लाल डोरे का विस्तार किया जायेगा।

स्वास्थ्य और शिक्षा किसी भी मानव और सामाजिक विकास का आधार होते हैं। मेरी सरकार इन दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों में चहुंमुखी सुधार लाने के प्रति कृतसंकल्प है। तदनुरूप सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर सुधारने के लिए नीतियां विकसित की जायेंगी और उन्हें लागू किया जायेगा ताकि सरकारी स्कूलों को प्राइवेट स्कूलों से भी बेहतर बनाया जा सके। दिल्ली में 500 से अधिक सरकारी स्कूल खोले जायेंगे। सरकार प्राइवेट स्कूलों में चंदा देने की प्रणाली खत्म करेगी। इसके अतिरिक्त निजी स्कूलों को फीस निर्धारित करने की प्रक्रिया पारदर्शी बनानी होगी।

इसी प्रकार सरकारी क्षेत्र में नए अस्पताल खोले जायेंगे जिनमें उपचार और जांच की सुविधाएं प्राइवेट अस्पतालों से भी बेहतर होंगी।

महिलाओं और लड़कियों के लिए सुरक्षा का वातावरण गंभीर चिंता का विषय है। यह शर्म की बात है कि हमारी आधी आबादी सार्वजनिक स्थानों पर जाने से डरती है। विशेष सुरक्षा सेल बनाये जायेंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिलाओं और लड़कियों का उत्पीड़न न हो। नयी अदालतें कायम की जायेंगी और नए न्यायाधीश नियुक्त किए जायेंगे ताकि महिलाओं और लड़कियों के उत्पीड़न के सभी मामलों का निपटारा तीन महीने के भीतर सुनिश्चित किया जा सके। इसी प्रकार, अन्य सभी मामलों का निपटारा छह महीने में सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त संख्या में अदालतें गठित की जायेंगी और न्यायाधीश नियुक्त किए जायेंगे।

माननीय अध्यक्ष जी और इस सम्मानित सदन के सदस्यों, मैंने दिल्ली के विकास की एक ऐसी संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की है जिसमें आम नागरिकों की चिन्ताओं को दूर करना और उनकी जरूरतें पूरी करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। सरकार अपने कार्यक्रमों और नीतियों पर अमल सुनिश्चित करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

मैं आपके विचार-विमर्श की सफलता और रचनात्मक नतीजों की कामना करता हूँ।

जय हिन्द!!

Respected Speaker and Hon'Members,

I extend a warm welcome to all of you to the First Session of the Fifth Legislative Assembly of Delhi. I would like to convey my best whshes to all the Hon'Members for the New Year.

I impress upon all the Hon'ble Members to continue the excellent traditions set by Members of the last Assembly, thereby strengthening the role the Assembly can play in translating the aspirations of the people into reality.

I congratulate the citizens, political parties and government officials for the smooth and peaceful conduct of the General Elections to the Delhi Legislative Assembly, 2013.

The citizen's of Delhi have overwhelmingly voted for change in the just concluded elections. They have reposed faith in not only a new approach to governance but also to a new political culture that stresses the need to place the citizen at the centre of our thoughts, actions, and policies.

My government thanks the citizens of Delhi for their spontaneous support and mandate. At the great responsibility cast on it. The faith expressed by the citizens of Delhi shall constantly caution against any complacency.

My government with great humility pledges itself to the welfare

of the people of Delhi. It would be the endeavour of my government to deliver on all promises made to the citizens of Delhi and live up to the faith reposed in my government.

At the very top of government's priorities would be to bridge the chasm between the citizens and government. Government will put an end to all symbols of privilege and power that distance the citizen from the government. No minister or MLA will use a red beacon on their cars. Special security will be avoided.

We intend to take all steps to end corruption in government departments. Passing the version of the Lokpal bill that led Anna Hazare ji to undertake a fast will be a priority for government.

Government also intend to involve the citizen in the process of drawing up plans and projects especially those that affect the everyday life of citizens. Suggestions will be invited and wherever feasible will be incorporated into government plans for the development of the city. The concerns and worries of the citizen shall be duly included and accorded the importance they deserve. Government intends to touch the everyday life of citizens in a positive manner.

It is not merely in the drawing up to plans that my government intends to reach out to citizens. Equally it will be important to involve them in the selection and prioritization of projects at the level of the mohalla and colonies. Government will impower citizens the choose

the works they would like to see executed in their localities. They will be enabled to take decisions in 'mohalla sabhas' on matters touching upon the quality of daily life in their immediate vicinity.

It is the intent of my government to actively pursue with the Central Government to grant full statehood to Delhi. This would clearly ensure that the multiplicity of authorities is reduced and decisions are expedited.

A CAG audit of electricity companies in the National Capital from the time of privatization shall be carried out. Government is willing to even consider cancellation of the licences of companies that to not cooperate in the conduct of that audit. Government cannot and shall not be a silent by stander. It shall be ensured that the companies have not and do not induldge in flagrant violations of financial norms. As a part of the efforts to deliver electricity at reasonable rates, electricity meters will be checked.

Government plans to provide 20 kl of clean drinking water free of cost to all households every month. However, if the consumption exceeds 20 kl, then the entire consumption would be charged.

Action plan for regularizing the unathorized colonies within a year is being drawn up. This would benefit the thirty percent of Delhi's population that lives in such colonies. The plan shall be implemented rigorously and in a time-bound manner.

My government shall also execute projects for providing clean and 'pukka (built-up) houses' to those presently condemned to live in the degraded environment of slums.

My government is also committed to provide regular jobs to those currently working on contracts. This would not only provide them secure incomes, but also increase the sense of job security. Presently, many employees are subjected to exploitation and uncertainty. This needs to end.

Trade and commerce is the heart of economic activity that sustains the economy of Delhi. Government would like to assure this house of its commitment to the simplification of the VAT regime. The VAT rates shall also be reviewed.

It is necessary to pay far more attention to the needs of rural Delhi than has been the case so far. Government shall provide subsidies and facilities to the farmers in villages on par with those available in other states. The lal dora will be extended.

Health and education are the bedrock of any human and social development. My government stands committed to all round improvements in these two vital sectors. Accordingly, policies will be evolved and implemented to improve the Standard of education in government schools so as to make them better than even that in private schools. More than 500 government schools will be set up in Delhi. Govern-

ment shall put an end to the system of donations in private shcools. In addition, private schools will need to make the fee fixation system transparent.

Similarly, new hospitals shall be set up in government sector that would more than match the treatment and facilities provided by hospitals in the private sector.

A matter of deep concern is the security environment for women and girls. That fifty percent of the population should be intimidated enough to avoid public spaces is a shame. Special security cells shall be set up to ensure that women and girls are not harassed. New courts shall be set up and new judges appointed so as to ensure that all cases involving harassment of women or girls are disposed of in three months. Similarly, such number of courts shall be set up and judges appinted so that all other cases are disposed of in six months.

Hon'Speaker and Members of this august house, I have presented a very brief highlight of my government's blueprint for developing a Delhi in which the concerns and needs of the common citizen shall be top priority. Government shall leave no stone unturned to ensure implementation of its programs and policies.

I wish you success and positive outcomes in your deliberations.

Jai Hind!!

डॉ. हर्षवर्द्धन : अध्यक्ष जी...(व्यवधान)

निधन संबंधी उल्लेख

अध्यक्ष महोदय : एक मिनट डॉक्टर साहब पहले शोक संवेदनाएँ कर लें, उसके बाद कर लेंगे प्लीज।

माननीय सदस्यगण, आपको जानकर अत्यंत दुःख होगा कि महानगर परिषद दिल्ली (1977-80) के सदस्य श्री वीरेश प्रताप चौधरी जी का 7 सितम्बर, 2013 को निधन हो गया। श्री चौधरी दिल्ली के विकास के लिये सदैव संघर्षरत रहते थे। वे प्रसिद्ध समाजसेवी थे और सामाजिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे। राजधानी में वे कई सामाजिक संगठनों से जुड़े हुए थे और कई सामाजिक संगठनों के वे संरक्षक भी थे।

मैं अपनी ओर से एवं पूरे सदन की ओर से श्री वीरेश प्रताप चौधरी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करता हूँ और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि उनको अपने चरणों में स्थान दें व परिवार वालों को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

ओउम शांति।

माननीय सदस्यगण, आपको जानकर अत्यंत दुःख होगा कि वर्ष 1988-89 में दिल्ली के उपराज्यपाल रहे श्री रोमेश भण्डारी का गत सितंबर माह में निधन हो गया। श्री भण्डारी केंद्र सरकार में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत रहे थे। इसके अलावा वे उत्तर प्रदेश के राज्यपाल भी रहे। सादगी से जीवन व्यतीत करने

वाले श्री भण्डारी अत्यंत ही सरल स्वभाव के थे। दिल्ली के उपराज्यपाल रहने के दौरान उन्होंने राजधानी के विकास के लिये कई अहम फैसले लिये थे।

मैं अपनी ओर से एवं पूरे सदन की ओर से श्री रोमेश भण्डारी जी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करता हूँ और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि उनको अपने चरणों में स्थान दें व परिवार वालों को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

ओउम शांति।

माननीय सदस्यगण, आपको यह जानकर दुःख होगा कि प्रथम अश्वेत नेता एवं अश्वेत गांधी के नाम से प्रसिद्ध श्री नेल्सन मंडेला का गत 5 दिसंबर, 2013 को 95 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। 18 जुलाई, 1918 को साउथ अफ्रीका के पूर्वी कैपटाउन में जन्मे श्री मंडेला अपने प्रारंभिक जीवन से ही क्रांतिकारी थे। श्री मंडेला वर्ष 1943 में अमेरिकी नेशनल कांग्रेस से जुड़े और उसके बाद कई वर्षों तक अश्वेतों के हितों की लड़ाई लड़ते रहे। इसी कारण उन्हें 1964 में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। सन् 1990 में जेल से छूटने के बाद भी उन्होंने अश्वेतों के हितों की लड़ाई लड़नी जारी रखी। सन् 1993 में उन्हें उनके अथक प्रयासों के लिये नोबेल पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। सन् 1994 में श्री मंडेला प्रथम अश्वेत अमेरिकी राष्ट्रपति चुने गये। अपने राष्ट्रपतीय कार्यकाल में श्री मंडेला ने कई महत्वपूर्ण कार्य किये जिसके लिये उन्हें आज भी याद किया जाता है। भारत के साथ उनके बहुत ही अच्छे रिश्ते रहे। हमारे देश ने इसीलिये उनके सम्मान में पूरे देश में पाँच दिन का राजकीय शोक भी रखा।

मैं अपनी ओर से एवं पूरे सदन की ओर से श्री नेल्सन मंडेला जी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करता हूँ और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

ओउम शांति

अध्यक्ष महोदय : मुख्यमंत्री जी।

श्री नंद किशोर गर्ग : अध्यक्ष जी...**(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : पहले मुख्यमंत्री जी बोलेंगे, उसके बाद आपको...**(व्यवधान)**

श्री नंद किशोर गर्ग : अध्यक्ष जी, मैं बोल रहा हूँ।

अध्यक्ष महोदय : हाँ जी।

श्री नंद किशोर गर्ग : अध्यक्ष जी, श्री के.के. गुप्ता जी 1977-80 तक महानगर पार्षद रहे हौज खास से और उनका भी देहांत अभी 15-20 दिन पहले ही हुआ है। श्री कुलवंत कुमार गुप्ता, वीरेश और वो सब हम एक ही साथ लोकनायक जयप्रकाश नारायण के आंदोलन में थे, उनका देहांत अभी 15 दिन पहले ही हुआ है। उनकी भी exact डेट वगैरह लेकर उनका भी इसमें जोड़ दें।

अध्यक्ष महोदय : इसके बाद कुछ और भी जो माननीय सदस्यगण बोलना चाहेंगे, उनका भी इसमें सम्मिलित कर लेंगे। अरविंद केजरीवाल जी।

मुख्यमंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय...**(व्यवधान)**

प्रो. जगदीश मुखी : अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य ने जो बात रखी है, जैसे आपने बाकी संवेदना प्रस्ताव अपनी तरफ से रखे हैं के.के. गुप्ता जी के प्रति भी आपकी तरफ से शोक संवेदना का प्रस्ताव आना चाहिए ताकि हम उसे फॉलो कर सकें।

अध्यक्ष महोदय : आपका प्रस्ताव जो है, हमने मान लिया है, हम उसको इसी में शामिल कर रहे हैं। मुख्यमंत्री जी।

मुख्य मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, आज हम लोग भी वीरेश प्रताप चौधरी जी के निधन पर शोक संवेदना देने के लिए इकट्ठे हुए हैं। श्री वीरेश प्रताप चौधरी जी दिल्ली के विकास के लिए हमेशा संघर्षरत रहे। एक प्रसिद्ध समाजसेवी थे। मैं अपनी ओर से और पूरे सदन की ओर से यह प्रार्थना करता हूँ कि उनकी आत्मा को शांति मिले।

श्री रोमेश भण्डारी जी उन्होंने तो न केवल दिल्ली बल्कि पूरे देश के विकास के लिए वो ताजिंदगी संघर्षरत रहे। मैं अपनी ओर से और सदन की ओर से उम्मीद करता हूँ कि भगवान उनकी आत्मा को शांति दें।

श्री नेल्सन मंडेला जी पूरी दुनिया उनको जानती है, एक लम्बे समय तक वो जेल में रहे और उन्होंने दुनिया के सबसे गरीब और अश्वेत लोगों के लिए पूरी जिंदगी लड़ाई लड़ी। उन्हें नोबेल पुरस्कार से भी नवाजा गया।

मैं श्री के.के. गुप्ता जी जिनका निधन हुआ है उनके लिए भी मैं भगवान से उम्मीद करता हूँ कि उनकी आत्मा को शांति दें।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से सिपाही श्री विनोद कुमार के लिए भी शोक संवेदना व्यक्त करना चाहूँगा जिनकी 28 दिसंबर, 2013 को शराब माफिया ने बड़ी क्रूरता व बर्बरता के साथ हत्या कर दी। विनोद कुमार जी ने अपनी जान की परवाह न करते हुए उन शराब माफियाओं के साथ बड़ी बहादुरी से अपनी आखिरी सांस तक सामना किया। श्री विनोद कुमार की हत्या हमारे लिए तथा आबकारी विभाग के लिए कभी न पूरी होने वाली क्षति है। हम ऐसे बहादुर

सिपाही के लिए भगवान से प्रार्थना करते हैं कि उनको अपने चरणों में स्थान दें तथा उनके परिवार वालों को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

श्री मदन मोहन अबरोल जो कि इस सदन के मैम्बर रहे हैं, मैं भगवान से प्रार्थना करता हूँ कि उनकी आत्मा को भी शांति दें।

अध्यक्ष महोदय : नेता, प्रतिपक्ष।

डॉ. हर्षवर्द्धन : अध्यक्ष जी, स्व. श्री वीरेश प्रताप चौधरी दिल्ली के अत्यंत शिक्षित, प्रतिष्ठित, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में काम करने वाले अत्यंत सम्मानित, संवेदनशील व्यक्तित्व के धनी महानुभाव थे। गांधी जी की simple living और high thinking की जो philosophy थी, उसके अंदर उनका, उनके परिवार का, उनके पिता श्री देशराज चौधरी जो देश के बहुत ही प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी रहे। उनका विश्वास था और उन्होंने अपना सारा जीवन सादगी से, उच्च्य विचारों का प्रतिपादन करते हुए और समाज की सेवा को पूरी तरह से समर्पित करके दिल्ली के अंदर उन्होंने एक ऐसे आदर्श संस्थान create किए ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता नहीं हैं, असहाय हैं orphan है और उसमें भी विशेषकर बच्चियाँ उनको आजीवन शिक्षा मिले, उनको बेहतर इंसान बनाया जाये, उनकी शिक्षा की सारी समूल व्यवस्था की जाये इसके लिए दिल्ली के पटौदी हाउस में और साउथ दिल्ली के ईस्ट आफ कैलाश में उन्होंने बड़े संस्थानों की स्थापना की जहां लगभग 30-40 वर्षों से तो हम देख रहे हैं कि वे वहां पर निस्वार्थ सेवा कर रहे थे। इसमें कोई शक की बात नहीं कि वे राजनीति के क्षेत्र में काम करते थे, दिल्ली में जब महानगर परिषद थी तो आपातकालीन स्थिति के बाद 1977 में वे इस सदन के सदस्य बने। लेकिन मूल रूप से उनका जो सारा जीवन है वह समाज और देश के लिए समर्पित रहा। राजनीति के क्षेत्र के माध्यम से जो कुछ उन्होंने किया

वह तो किया ही। लेकिन आर्य समाज की स्थापना दिल्ली में होने से लेकर और आर्य समाज को एक बड़े इंस्टीट्यूशन के रूप में दिल्ली में डवलप होने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। अपने छात्र जीवन से ही वे बहुत प्रभावी थे। सन् 1960 में दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्र संघ के अध्यक्ष रहे। एक समय में उन्होंने कांग्रेस पार्टी को भी अपना योगदान दिया। जनता पार्टी बनने के बाद वे जनता पार्टी के दिल्ली प्रदेश के बड़े आफिस बीयररर्स रहे। लेकिन पिछले लगभग 20 वर्षों से वे भारतीय जनता पार्टी के सम्मानित सदस्य थे। हमारी सभी महत्वपूर्ण कार्य समितियों के अंग रहे और लगातार उन्होंने दिल्ली और देश की सेवा की उसी के कारण जीवनपर्यन्त जो कुछ उन्होंने किया उन्हें पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया। मैं यह समझता हूं कि वे अपने आपमें एक व्यक्ति नहीं बल्कि इंस्टीट्यूशन थे।

श्री रोमेश भण्डारी जी, उन्हें जो भी लोग जानते हैं जो भी उनसे मिले हैं, वे बहुत ही लोकप्रिय और हंसमुख, मिलनसार और बहुत ही अच्छे इन्सान के रूप में याद करते हैं। वे इंडियन फारेन सर्विस के अधिकारी थे, देश के फारेन सेक्रेटरी भी रहे। हम लोगों का उनके साथ सम्बन्ध दिल्ली में जब से उपराज्यपाल बने उस समय भी रहा, बाद में वे अण्डमान निकोबार के भी उपराज्यपाल रहे, उत्तर प्रदेश के गवर्नर रहे, मिजोरम के गवर्नर रहे, गोआ के गवर्नर रहे, यद्यपि बाद में उन्होंने थोड़ा राजनीति के क्षेत्र में भी प्रवेश किया। लेकिन मैं समझता हूं कि हम लोग उनको ज्यादातर एक अच्छे इंसान के रूप में याद करते हैं। 85 वर्ष की उम्र में Pancreas के Caner के कारण उनकी मृत्यु हुई। हममें से कुछ लोग उस समय के साक्षी भी हैं, निश्चित रूप से हम सबको उनकी मृत्यु का बड़ा कष्ट है।

नेल्सन मंडेला जी तो संसार के वह व्यक्तित्व हैं जिनको खाली साउथ अफ्रीका के लोग ही नहीं अपितु सारे संसार के अन्दर उनकी उनके कामों के कारण इज्जत की जाती है। उनके activism के कारण। रंगभेद की नीति के खिलाफ जितना बड़ा आन्दोलन उन्होंने सारी दुनिया में किया, उसी के कारण उनको फादर आफ द नेशन जिस प्रकार से हमारे यहां महात्मा गांधी जी को कहा जाता है उसी प्रकार उन्हें भी साउथ अफ्रीका में फादर आफ द नेशन कहा जाता था। मेरे ख्याल से वे एक ऐसी शख्सियत थे कि शायद संसार में बहुत कम लोग ऐसे होंगे जो 27 वर्ष तक जेल में रहे होंगे और ऐसे इन्सानियत से जुड़े हुए एक ऐसे पहलू के ऊपर किसी के रंग के कारण उसके साथ भेद किया जाये इससे ज्यादा कोई खराब चीज़ संसार में नहीं हो सकती। 250 से ज्यादा उनको संसार से प्रतिष्ठित अवार्ड्स मिले, यूएस प्रजीडेंट मैडल आफ फ्रीडम मिला, भारत रत्न मिला, 1993 में नोबल पीस प्राइज मिला। मेरे को याद है कि जब हम लोग दिल्ली में सरकार में मंत्री थे तो वे उस समय साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति बने थे और उन पांच वर्षों के अन्दर शायद 1995 में वे दिल्ली में आए थे और हम लोगों को उनसे सबसे पहले मिलने का मौका मिला था यहां लाल किले के अन्दर उनका नागरिक अभिनंदन हुआ था। मेरे उनके साथ इस कारण भी विशेष प्रेम रहा कि जब भारत ने 1995 में पोलियो उन्मूलन का बड़ा कार्यक्रम भारत में हुआ। उसके पहले अफ्रीका के अन्दर क्योंकि वहां हैल्थ सर्विसेज इतनी developed नहीं थीं तो वहां पोलियो का आन्दोलन इसलिए विकसित नहीं हो पा रहा था क्योंकि भारत में जहां दुनिया के 60 प्रतिशत केसिज होते थे, यहां पर कुछ नहीं हो रहा था। लेकिन जब भारत ने 1995 में पोलियो के आन्दोलन को राष्ट्रीय आन्दोलन बनाया तो नेल्सन मंडेला जी ने साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति के रूप में सारे संसार में पहले 'Kick Polio out of Africa' के आन्दोलन को प्रारम्भ किया था। उस महान इन्सान को उनके कुछ, वैसे तो वे बहुत सुन्दर quotes के लिए सारी दुनिया के अन्दर जाने जाते हैं, वे ज़ो कुछ मुंह से बोलते थे वह बात सारे संसार के अन्दर एक प्रकार से

बहुत ही प्रसिद्ध होती थी। उसको लोग फोलो करते थे उसको लोग बहुत अच्छा मानत थे। मैं इस अवसर पर उनके जो तीन-चार quotes उन्हें मैं इस असैम्बली में रखना चाहता हूं, वे लोग जो सार्वजनिक जीवन में काम करते हैं मुझे लगता है कि जब वे साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति बने तो अपने देश ही के संदर्भ में उन्होंने कहा कि "in my country, we go to the prison first and then we become the President." और एक चीज उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण कही आज जो राजनीति के क्षेत्र में काम करते हुए "a good head and a good heart are always a formidable combination." "I learnt that courage was not absence of fear but the triumph over it." "The brave main is not he who does not feel afraid but he who conquers that fear." उनका एजूकेशन के बारे में भी बहुत कमिटमेंट था उन्होंने कहा कि "Education is the most powerful weapon which you can use to change the world." अध्यक्ष जी, इस किस्म की ये बातें सार्वजनिक जीवन में काम करने वाले लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। निश्चित रूप से नेल्सन मंडेला जी जिस दिन हम लोगों का चुनाव समाप्त हुआ उसके एक ही दिन के बाद उनकी मृत्यु हुई, यह एक प्रकार से अच्छी बात है कि हमारे देश ने पांच दिन तक उस महामानव को अपनी श्रद्धांजलि व्यक्त करने के लिए राष्ट्रीय शोक की घोषणा की।

श्री कुलवंत कुमार गुप्ता जी के बारे में अभी नन्दकिशोर जी ने ध्यान कराया है कि दिल्ली महानगर परिषद के वे जब दिल्ली में जनता पार्टी की सरकार बनी थी नगर निगम में जनता पार्टी थी उस समय वे उस सदन के सदस्य थे और चन्द्रशेखर जी जो हमारे भारत के पूर्व प्रधानमंत्री रहे उनके वे बहुत ही क्लोज थे। लगभग पिछले 20-30 वर्षों से भारतीय जनता पार्टी के साथ उनका

बहुत निकट का रिश्ता था। हमारे प्रदेश की कार्यसमिति के लगातार वे सदस्य रहे। वे पिछल काफी समय से बीमार थे उन्हें खाने की पाइप का कैंसर हुआ और यह बड़े दुख की बात है कि 15 दिन पहले वे भी हमारे वीच से चले गये और हमारे बीच नहीं रहे।

अरविन्द जी ने हमें विनोद कुमार जी का भी स्मरण कराया जिनकी शहादत को हम समझते हैं कि निश्चित रूप से एक प्रेरणा के रूप में न खाली पुलिस के नौजवानों को, पुलिस के आफिसर्स को याद करना चाहिए। जो भी देश के लिए समाज के लिए बुराइयों से लड़कर extreme तक जाकर कुछ भी करने का जज्बा रखता है। उसके लिए विनोद कुमार का उदाहरण मैं समझता हूं कि हमेशा दूसरे लोगों को प्रेरणा देता रहेगा।

श्री मदनमोहन अबरोल जी के लिए कहा, अबरोल जी सदन के सदस्य तो नहीं रहे लेकिन वे दिल्ली नगर निगम के सदस्य रहे और लगभग 95-96 साल की उम्र में मृत्यु हुई है, आजीवन उन्होंने समाज सेवा के जज्बे को जीवित रखा। मैं इन सभी महानुभावों की पुण्यस्मृति को हृदय की गहराइयों से अपनी ओर से और सदन के अपने सभी साथियों की ओर से नमन करते हुए भगवान से यही प्रार्थना करता हूं कि वे इन सभी महानआत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और देश तथा समाज को इनके जाने के कष्ट को, उनके परिवार के लोगों को सहने की शक्ति और क्षमता प्रदान करें, आउ्म शांति।

अध्यक्ष महोदय : श्री हारून यूसुफ।

श्री हारून यूसुफ : श्री वीरेश प्रताप चौधरी जी न सिर्फ पूर्व मेट्रोपोलिटन काऊँसिल के मेम्बर थे। वो बहुत ही अजीम इंसान थे और एक अच्छे समाज-सेवी

थे। दिल्ली में बहुत सारी ऐसी संस्थाएँ जिनसे वो जुड हुए थे। दिल्ली की जो तहजीब है और दिल्ली की जो संस्कृति है। मैं यह समझता हूँ कि वो उसके प्रतीक थे और इंसानियत के मामले में वो जिस तरह से यतीम बच्चों के लिए orphans के लिए उनका डेडीकेशन था। मैं यह समझता हूँ कि हम सब को उससे प्रेरणा लेनी चाहिए।

श्री रोमेश भंडारी जी जो एल.जी. बनने से पहले foreign secretary थे और वे वहाँ पर मुख्तलिफ दुनिया के कोने में बहुत महत्वपूर्ण पदों पर रहे और उसके बाद दिल्ली के एल.जी. बनाए गए और उनका दिल्ली की तरक्की में एक बड़ा किरदार रहा है और यहाँ पर जो तमाम लोग बैठे हैं। वे उनसे बहुत अच्छे तरीके से वाकिफ हैं। वे बहुत खुशमिजाज इन्सान थे। वे लोगों की मदद करने में कभी नहीं चूकते थे और वे न सिर्फ यू.पी. और मिजोरम के गवर्नर रहे बल्कि दिल्ली की संस्कृति से लगातार जुड़े रहे और उन्होंने दिल्ली के लोगों की बहुत सेवा की।

आदरणीय नेल्सन मंडेला जी जिन्होंने पूरी दुनिया को एक ऐसा पैगाम दिया कि जुल्म के खिलाफ किस तरीके से लड़ा जाता है। उन्होंने दुनिया के करोड़ों दबे कुचले लोगों को एक नया हौसला और हिम्मत दी और उनको नोबल पुरस्कार से नवाजा गया और मैं समझता हूँ कि हिन्दुस्तान के साथ जितने गहरे संबंध नेल्सन मंडेला जी के थे और जिस तरीके से उन्होंने महात्मा गाँधी से प्रेरणा लेकर अपना पूरा जीवन आजादी की लड़ाई में संघर्ष में लगाया और मैं समझता हूँ कि हम सब लोगों को ऐसे लोगों से प्रेरणा लेनी चाहिए।

श्री गुप्ता जी जो मेट्रोपोलियन काऊँसलर थे और अब्रोल साहब उनका भी दिल्ली की खिदमत में एक बड़ा योगदान रहा। मैं इन सब हस्तियों को अपनी तरफ से खिराजे अकीदत पेश करता हूँ और खुदा से दुआ करता हूँ कि उनके

खानदानों को यह सदमा सहने की हिम्मत दें और मैं अपनी ओर से और अपने दल की ओर से उनको नमन करता हूँ, धन्यवाद।

अध्यक्ष महोदय : श्री शोएब इकबाल जी।

श्री शोएब इकबाल : अध्यक्ष महोदय, श्री वीरेश प्रताप चौधरी जी जो इस सदन में मेट्रोपोलिटन काऊँसिल में मेम्बर रहे हैं। वो मेरे ही इलाके के अंदर रहते थे और वो अनाथालय चलाते थे। उनका जो खानदानी पेशा था, वो सिर्फ अवाम की खिदमत करना था। उनके वालिद ने आर्य अनाथालय खोला। उनके वालिद चौधरी देसराज थे वो दिल्ली के बहुत बड़े नेता थे। श्री वीरेश प्रताप चौधरी दिल्ली के अंदर एक जमाने से दिल्ली वालों की नुमाइन्दगी कर रहे थे। वे 1987 में जब जनता दल का गठन हुआ तो उस वक्त वो उसके मेम्बर बने। 1987 में जब जन मोर्चा बना। उस वक्त वो दिल्ली जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष बने और मैं उनके साथ था। मैं वाइस प्रेसीडेन्ड था, वो प्रेसीडेन्ट थे। उनका स्वभाव बहुत अच्छा था और वे इतने अच्छे थे कि उनमें बहुत नरमी थी, उनमें बहुत प्यार था। वे हमेशा समाज के लिए काम करते थे। उन्होंने इंसानियत के लिए बहुत काम किया और आज उनका अनाथालय जो मेरे घर के बिल्कुल करीब है। मैं देखता हूँ कि वो फल फूल रहा है और एक ऐसे वक्त के अंदर उन्होंने यतीम बच्चों को जिनके वालिद नहीं थे। पूरे देश से लड़के, लड़कियाँ आती थीं। उनके आश्रम के अंदर, उसमें कहीं भेदभाव नहीं था। चन्द्रशेखर जी हों, लाल कृष्ण आडवाणी जी हों और दूसरे नेता हों वो हमेशा उस आश्रम में आते थे। हम ने भी देखा है। जब लालकृष्ण आडवाणी साहब, देश के गृह मंत्री थे। उस वक्त उन्होंने इस आश्रम की बड़ी मदद की और वीरेश प्रताप चौधरी ने मुझे याद है कि तमाम पार्टियों को उन्होंने बुलाया और लोगों को दिखाया और लोगों ने तथा आम पब्लिक ने भी और जो देश के सीनियर नेता थे। उन्होंने भी उसके लिए बड़ी मदद की। Financially हो या दूसरे तरीके से हो।

उसके साथ में श्री रोमेश भंडारी साहब जो दिल्ली के एल.जी. रहे, फॉरेन सैक्रेट्री रहे और जब दिल्ली के अंदर राष्ट्रपति शासन लगा और यहाँ पर चुनाव नहीं हुआ। उस वक्त उनके ऊपर बहुत बड़ी जिम्मेदारी आई। दिल्ली के अंदर तकरीबन 11 साल तक राष्ट्रपति शासन रहा। 1983 में मेरे ख्याल से चुनाव हुए। 1993 के अंदर दिल्ली विधान सभा का गठन हुआ और उस वक्त के अंदर रोमेश भंडारी साहब ने दिल्ली के लिए बड़ा काम किया और हम लोग अपने क्षेत्रों के अंदर उनको बुलाते थे। वे वहाँ पर काम किया करते थे। इसके साथ-साथ हम को उनके साथ काम करने का मौका मिला। वो सामाजिक कार्यों के अंदर उन्होंने बड़ा योगदान दिया। जब दिल्ली के अंदर झुग्गी झोंपड़ियों को तोड़ा जा रहा था तो वो तीन दिन माननीय वी.पी. सिंह जी भी हमारे साथ रहे। हम रात भर यहाँ डेरा डाले रहे। उसके अलावा वसन्त कुंज के अंदर जब झुग्गियों को उठाने की बात आई तो उस वक्त भी उन्होंने पार्टियों से हटकर कई धरने प्रदर्शन किए। एक वक्त के अंदर वो काँग्रेस पार्टी में आ गए थे। लेकिन उन्होंने बाद में सामाजिक काम के लिए बड़ा योगदान दिया। मैं रोमेश भंडारी साहब को दिल की गहराइयों से खिराजे अकीदत पेश करता हूँ।

इसके साथ माननीय नेल्सन मंडेला जी उनके बारे में कुछ भी कहना बहुत कम होगा। वो अल्फाज हमारे पास नहीं हैं। वे ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने सामाजिक इंसाफ के लिए, सोशल जस्टिस के लिए, बसावात के लिए, रंगभेद के खिलाफ इतनी बड़ी लड़ाई लड़ी कि आपको सालों जेल के अंदर गुजारना पड़ा। इसके अलावा उनको कभी किसी पद से लगाव नहीं था। उनको अवाम ने देश का सदर चुना। इसके अलावा उन्होंने गाँधी जी से बड़ी प्रेरणा ली। इत्तिफाक यह है कि गाँधी जी ने और नेल्सन मंडेला साहब ने भी साऊथ अफ्रीका से अपना अभियान शुरू किया था और ये दो नेता देश ही नहीं, दुनिया में अपनी एक जगह बनायेंगे जिनको

किसी पद का कोई लालच नहीं था। आज उनकी जरूर मृत्यु हो गई हो। लेकिन उनको दुनिया याद करती है। वो लोगों के दिलों में हैं। जिस तरह से महात्मा गाँधी इस देश में हैं और पूरी दुनिया में उनका नाम कायम है और जिस तरह से नेल्सन मंडेला साहब ने अच्छे काम को अंजाम दिया और पूरे विश्व में उनका नाम हुआ। और उनकी वजह से ही पूरी दुनिया में आज हम लोग मसावाद और रंगभेद के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं। यह प्रेरणा हम लोगों को मिली है।

अध्यक्ष महोदय, ऐसे वक्त में कांस्टेबल विनोद कुमार को भी हम याद रखेंगे जिसने अपने प्राणों की आहुति दी और अपने फर्ज को बाखूबी निभाया। अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी जानिब से उनको बहुत-बहुत खिराजे अकीदत पेश करता हूँ और उम्मीद करता हूँ कि इनके परिवारों को सब्रे जमील अता फरमायें।

अध्यक्ष महोदय : डॉ. जगदीश मुखी जी।

प्रो. जगदीश मुखी : अध्यक्ष महोदय, श्री वीरेश प्रताप चौधरी बचपन से ही, विद्यार्थी जीवन से ही समाज सेवा से जुड़े थे। कुशाग्र बुद्धि उनकी पहले दिन से नजर आती थी और उन्होंने 1960 में ही यूथ कांग्रेस के नेशनल जनरल सैक्रेटरी के नाते से वे जुड़े और बाद में स्टूडैण्ट यूनियन के अध्यक्ष रहे। वे चोटी के सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के वकील रहे हैं और अनेक ऐसे मुकदमें जिनका हवाला दिया जा सकता है, उनके नाम से कोट किये जाते हैं। अंतिम केस जो उन्होंने जीता, वह भी एक ऐतिहासिक है जो उन्होंने नोएडा अथारिटी ने जो लैण्ड एक्विजिशन किया था, उसके विरोध में किसानों की ओर से ये केस अपने पास लिया और उसे जीतकर सरकार को अपने कानून बदलने के लिए मजबूर होना पड़ा। अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस का जब विभाजन हुआ तो वे ओल्ड कांग्रेस प्रदेश में आये और ओल्ड कांग्रेस से जनता पार्टी में। उनके पिता

श्री ओल्ड कांग्रेस के दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष रहे और 1977 से 1980 के बीच वे इस सदन के सदस्य रहे। मैं भी उस समय उसी सदन का सदस्य था। मैं ये कह सकता हूँ कि वे बहुत ही मृदुभाषी थे। अपनी बात को तर्क संगत ढंग से मजबूती से रखने की कला उनकी कला अनूठी थी। अध्यक्ष महोदय, कहां आर्य समाज से पूरा परिवार जुड़ा हुआ था, आर्य समाज से प्रेरित थे और धीरे धीरे उन्होंने इतना ऊँचा स्थान ग्रहण किया कि आर्य समाज की अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में उन्होंने देश का प्रतिनिधित्व किया। अनेक समाज सेवी संस्थाएं उन्होंने चलाईं। मुख्यतः जिनमें जिक्र किया गया। पटौदी हाउस में जो अनाथालय चला रहे हैं, वह तथा जो ईस्ट ऑफ कैलाश में अनाथ कन्याओं के लिए सीनियर सेकेण्डरी स्कूल और वह भी होस्टल की फैसिलिटी सहित इस प्रकार का एक बहुत बड़ा प्रोजेक्ट विधवाओं के लिए और अनाथ बच्चियों के लिए वहां पर चलाया जा रहा है। वहीं पर नेचुरोपैथी अस्पताल भी चलाया जा रहा है। इस प्रकार से मैं कह सकता हूँ कि समाज सेवी संस्थाएँ चलाकर और अपनी प्रकृति जो थी, इस प्रकार का व्यवहार उनका था, जिस प्रकार से उन्होंने दिल्ली की संस्कृति को संजोकर रखने का, पुरानी दिल्ली में कार्य किया, उस निमित्त दिल्लीवासी हमेशा उन्हें याद रखेंगे।

अध्यक्ष महोदय, श्री रोमेश भण्डारी हमारे दिल्ली के उपराज्यपाल तो रहे ही, किन्तु इसके अतिरिक्त अनेक राज्यों के अंदर वे गवर्नर भी रहे, उपराज्यपाल भी रहे, हम उन्हें राजनैतिक दृष्टिकोण से कम, एक अच्छे प्रशासक के रूप में जानते हैं। प्रशासक बनने पर साधारणतः एरोगोन्सी आती है किन्तु मैं मुक्त कण्ठ से यह बात कहना चाहूंगा कि वह हमेशा ही मृदुभाषी रहे हैं, उन्होंने जनता की समस्याओं को बड़ी खुशी से सुना और उनका निवारण करने की तरफ कारगर कदम उठाये।

अध्यक्ष महोदय, श्री नेल्सन मंडेला जी के बारे में कहा गया कि राष्ट्रपिता

महात्मा गांधी के अनुयायी के रूप में उनसे प्रेरणा लेकर के जो उन्होंने अपने देश के अंदर नस्लवाद के विरुद्ध अभियान चलाया और रंग भेद के विरुद्ध, वह एक अनूठा आन्दोलन उन्होंने खड़ा किया। डॉ. साहब ने ठीक कहा कि ऐसे बहुत कम राजनीतिज्ञ होंगे, समाज सेवक होंगे जो 27 साल तक लगातार जेल में रहे हैं। मैं समझता हूँ कि यह भी उतना ही याद करने योग्य बात है। वह केवल 27 साल जेल में नहीं रहे, जेल से आने के पश्चात राष्ट्र के राष्ट्रपति भी रहे। आज उन्हें ठीक उसी तरह सम्मान अपने देश के अंदर मिलता है, जिस प्रकार से हमारे देश में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को दिया जाता है। ऐसे नेल्सन मंडेला जी ने समाज के लिए नस्लवाद के खिलाफ और राष्ट्रपति के नाते से सेवा की है, जो विभिन्न प्रकार से कानून वहां के रहने वालों के लिए बनाये हैं, वह भी हमेशा याद रखने योग्य हैं।

अध्यक्ष महोदय, श्री कुवलन्त कुमार गुप्ता जी भी इसी तरह सदन के अंदर 77-80 के बीच में जब मैं भी सदस्य था, इसी सदन में हमारे बीच में रहे। वो भी बहुत ही मृदुभाषी व्यक्ति थे। उन्होंने कभी एग्जर्ट करके काम नहीं किया। हमेशा गरीब व्यक्तियों के इश्यूज सदन में उठाये और जब सदन के सदस्य नहीं रहे तो भी बार-बार हमेशा फोन करके, आ कर के मुद्दे देना, गरीब व्यक्तियों, आम व्यक्ति की बात सदन में उठाई जाये, इस निमित्त हमेशा उन्होंने ऐसे ऐसे मुद्दे दिए और उन पर हमें कार्य करने के लिए प्रेरित भी किया।

अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से जो मदन मोहन अबरोल जी हमारे बहुत सम्माननीय भाजपा के नेता रहे हैं, विभिन्न कमेटीज के चेयरमैन रहे हैं, उनके बारे में ये कहा जाता है कि उनका एक ही लक्ष्य होता था कि मैं घर पर बैठे हुए या घर से बाहर गाड़ी में हूं तो केवल जनता के लिए हूँ, जनता के लिए प्रतिनिधि हूँ और उनका घर ऐसा लगता था जैसे छोटा सा घर, गली भरी

हुई, घर भरा हुआ। मेला सा रहता था। आम व्यक्ति उनके पास वहां पर पहुँचता था। हमेशा उन्होंने साधारण व्यक्ति जो दिल्ली का है, उनकी सेवा की है। वे एक बहुत ही इम्पोर्टेन्ट कमेटी के अंदर रहे, जल बोर्ड जिसे आप कहते हैं, उन्हीं के अंतर्गत आता था। उस समय भी उनकी नीतियां हमेशा आम व्यक्ति को लाभ पहुंचाने वाली रही हैं।

अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो हमारे विनोद कुमार, कांस्टेबल थे, उनके बारे में संवेदना व्यक्त की है, मैं भी कहना चाहता हूँ कि उन्होंने एक ऐसा रिकॉर्ड कायम किया है जो बाकी हमारे सिपाहियों के लिए अनुकरणीय है। उन्होंने देश के लिए कुर्बानी दी है, व्यवस्था के लिए कुर्बानी दी है, व्यवस्था सुधारने के लिए कुर्बानी दी है। ऐसी सभी दिवंगत आत्माओं के प्रति मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूँ और परम पिता परमात्मा के श्री चरणों में प्रार्थना करता हूँ कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें, धन्यवाद अध्यक्ष महोदय।

अध्यक्ष महोदय : श्री नरेश गौड़ जी।

श्री नरेश गौड़ : अध्यक्ष महोदय, मुझसे पूर्व जिन लोगों ने श्री वीरेश प्रताप जी, रमेश भण्डारी जी और नेल्सन मण्डेला जी के साथ-साथ के.के. गुप्ता जी, मदन मोहन अबरोल जी और विनोद कुमार जी को श्रद्धांजलि दी है, उनके साथ मैं भी अपनी भावनाओं को जोड़ता हूँ। बहुत कुछ उनके बारे में डॉ. हर्षवर्द्धन और मुखी जी ने बताया। मेरे श्री के.के. गुप्ता जी और चौ. वीरेश प्रताप जी के साथ व्यक्तिगत संबंध थे। चौ. वीरेश प्रताप जी राजनैतिक और सामाजिक कार्यकर्ता थे। वे एक बहुत अच्छे हाई कोर्ट के वकील भी थे। नेल्सन मंडेला जी ने जो दुनिया में काम किया है। देश की भेदभाव नीति 27 साल तक चलती

रही। दुनिया में ऐसी मिसाल नहीं मिलती, देश के लिए 27 साल दे दिये। हमारे यहां भी वीर सावरकर 27 साल जेल में रहे देश की आजादी के लिए। नेल्सन मंडेला जी को अमरीका के लोगों ने बड़ा सम्मान दिया है, रत्न दिया उनको और वहां राष्ट्रपति भी बनाया और सावरकर जी 27 साल जेल में रहे उनको इतना सम्मान नहीं मिला। सभी महानुभव जिनका स्वर्गवास हुआ है, ईश्वर उनको अपने चरणों में स्थान दें। धन्यवाद।

अध्यक्ष महोदय : श्री अनिल झा।

श्री अनिल झा : अध्यक्ष महोदय, आज दिवंगत आत्माएं कुछ अन्तर्राष्ट्रीय कुछ हमारे देश की हैं, उसके विषय में, सबसे पहले मैं किसी विश्व के अंदर दम ए दरोगा, लोकतंत्र के, नेल्शन मंडेला जी के, अपनी तरफ से अपने क्षेत्र की तरफ से, ईश्वर से कामना करता हूं कि जो अविरल यात्रा जो प्रारंभ हुई 93 वर्ष के बाद, वो शायद ईश्वर ने अपने पास बुलाया, आराम कर के वो यात्रा कर रहे होंगे और मैं उस आत्मा को अपने हृदय की गहराइयों से कहता हूं कि ईश्वर उन्हें शांति दें, लेकिन 50 वर्ष की आयु में नेल्सन मंडेला जी जेल गये, 27 वर्ष जेल में रहे, भारत के अंदर उनको बार बार, गांधी जी का दूसरा रूप समझा गया और मंडेला जी कहते थे कि मैंने थोड़ा बहुत पढ़ा कि मुझे गांधी जी से न तोलिए और न समझिए। लेकिन 27 वर्ष जेल में रहना लोकतंत्र की रक्षा के लिए अश्वेत लोगों के लिए लड़ाई लड़ना। वहां पर अश्वेतों के लिए बराबरी के रास्ते खोलना, 77 वर्ष की आयु थी जब वो जेल से बाहर आये और उसके पांच वर्ष राष्ट्रपति रहे और उसके बाद वो प्रतीक रहे, अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना करूंगा कि वो मंडेला जी नाम से स्कूलों में उनके नाम से कोई योजना अगर शुरू कर पाए, तो मैं सरकार का आभारी

रहूंगा। मंडेला जी ने बहुत सारी ऐसी चीजें देखी हैं, लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए। साथ ही कुछ शीर्ष नेताओं ने कहा है, मेरी भाषा भी उनके साथ है, उसके बाद वीरेश प्रताप चौधरी जी के बारे में उनको व्यक्तिगत रूप से जानता था। वो यूनिवर्सिटी फर्टीलिटी के व्यक्ति थे, क्योंकि हमारे एक फोरम है दिल्ली यूनिवर्सिटी स्टूडेंट यूनियन की तो वो उसके प्रेजीडेंट रहे, हमसे बहुत सीनियर थे। हम लोग जब साल में एक दो बार मिलते थे तो वो किस प्रकार से मूवमेंट्स को चलाया करते थे, तब न टेलीफोन होता था और न मीडिया होती थी लेकिन जो दिल्ली के यूनिवर्सिटी के परिसर से दिल्ली के छात्रों को मैसेज जाना यह बहुत बड़ी बात थी, वीरेश प्रताप जी छात्र राजनीति से एक ताकत में उभरे। मैं हृदय की गहराइयों से उनके जीवन काल में जो कृत्य रहे, उनको साधुवाद देता हूं और ईश्वर से कामना करता हूं कि उनको शांति मिले। और जितने महान् पुरुषों के विषय में मुख्य मंत्री जी ने, मुखी जी ने और डॉ. साहब ने कहा है, मेरी भी भावनाएं उनके प्रति हैं, ईश्वर उन्हें शांति दें। धन्यवाद।

अध्यक्ष महोदय : श्री कुलवंत राणा जी।

श्री कुलवंत राणा : अध्यक्ष महोदय, वीरेश प्रताप चौधरी जी एक किसान के पुत्र थे और इसमें कोई शक नहीं कि उनके पिता जिस प्रकार से समाज सेवी थे, उन्होंने अलग हटकर काम किया। संस्थाएं बहुत दुनिया चलाती है। लेकिन इस प्रकार की संस्थाएं चलाना और सकारात्मक रूप से व ईमानदारी से चलाना, और निश्चित रूप से जो अभावग्रस्त लोग हैं, जिन पर प्रकृति की मार पड़ी उनको दिशा देना, उनको शिक्षित करना, बहुत बड़ा काम किया। ऐसी बड़ी बड़ी संस्थाएं खड़ी कीं जिसका लाभ अनेको लोग उठा रहे हैं और सच्चाई की लड़ाई लड़ी, ईश्वर की उनके ऊपर कृपा थी और संपन्न परिवार से संबंध रखते थे

ऐसे बहुत ही कम उदाहरण होते हैं। उनके जाने से न केवल दिल्ली बल्कि समस्त किसानों को व सारे देश के लोगों को क्षति हुई है। रोमेश जी के बारे में लोगों ने बताया कि बहुत अच्छे प्रशासक थे, राज्यपाल के रूप में काम किया और उसके साथ नेल्सन मंडेला जी के बारे में भी बताया इसमें कोई शक नहीं कि वो दुनिया के नेता थे, दुनिया से हट कर काम किया, समाज से हटकर के काम किया, ऐसे लोगों की ही एक पहचान बनती है। इसमें कोई शक नहीं कि यह केवल किसी एक की ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया की क्षति हुई है, संसार ने एक बहुत अच्छा नेता खो दिया, अध्यक्ष महोदय, के.के. गुप्ता जी, मदन मोहन अबरोल जी, एक अच्छे समाज से भी थे, उसके साथ साथ, विनोद जी एक सिपाही और देश की सेवा करते करते, आज की दुनिया में ऐसा उदाहरण नहीं है लोग ऐसे बहुत ही कम हैं जो देश के लिए जान देते हैं। देश की निष्ठा के साथ, अपने कर्तव्य के साथ काम करते करते अपना बलिदान दे देते हैं, ऐसे लोगों को उनके परिवारों की चिंता करनी चाहिए और ऐसे लोगों का मनोबल बढ़ाना चाहिए। ताकि उनके परिवार की कोई सुनने वाला होगा, एक कर्तव्यनिष्ठ लोगों का असर अच्छा होता है, इसमें कोई शक नहीं। मुख्यमंत्री महोदय ने अच्छी पहल की, उनके नामों को सम्मिलित किया, ये जितने भी लोग, जिनके प्रति शोक संवेदना प्रकट की, मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनको अपने चरणों में स्थान दें। साथ ही उन लोगों के जाने से देश को बहुत क्षति हुई है, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

अध्यक्ष महोदय : सदन द्वारा दिवंगत आत्माओं के सम्मान में दो मिनट का मौन धारण किया जायेगा (सदन के सभी सदस्यों द्वारा दो मिनट का मौन धारण किया गया)।

विविध

डॉ. हर्षवर्द्धन : अध्यक्ष जी, मैं आपका और आपके माध्यम से इस सदन का और विशेषकर मेरा निवेदन है मुख्यमंत्री जी से कि इस विषय को अत्यंत गम्भीरता से लिया जाये। कल के हिंदी के एक प्रतिष्ठित अखबार पंजाब केसरी में एक काफी बड़ी खबर छपी जिसका शीर्षक है। सरकार बनते ही मनमानी पर उतरा आप विधायक। इसको कोई पर्सनली न ले इस विषय को, जो इसमें इनवोल्ड है वो भी इसको पर्सनली न लें लेकिन यह दिल्ली के विधायकों को किस प्रकार की मर्यादाओं का पालन करना चाहिये और विशेषकर आम आदमी पार्टी जो ऐसा मानती है कि सारी मर्यादाएँ और सारी जितनी अच्छी बातें हैं दुनिया की वो सब चीजों को पालन करने का और करवाने का उन्होंने ही जिम्मेदारी ली है। उनकी और भी विशेष जिम्मेदारी बनती है कि उनके द्वारा जो भी जनता के बीच में आचरण हो, उसका स्पष्ट साफ-सुथरा संदेश दिल्ली में भी जाये और देश में भी जाये। यह घटना 4 तारीख की है, रोहिणी के सैक्टर 9 में हुई है। दिल्ली नगर निगम की एक स्कीम है जिसके तहत जहाँ-जहाँ गरीब बस्तियाँ हैं उन्होंने अपने कम्युनिटी सैंटर्स को भी उनके स्थान के और दूसरे हिसाब से कैटेगराइज किया है और उसमें जो सबसे ज्यादा खराब, पिछड़े ऐसी विपन्न बस्तियाँ या इस तरह के इलाके हैं वहाँ के कम्युनिटी सैंटर्स जो 'ई' कैटेगरी में आते हैं दूसरों के लिए भी है लेकिन विशेषकर उन कैटेगरी के कम्युनिटी सैंटर्स को दिल्ली शहर की स्वयंसेवी संस्थाओं को औपचारिक तौर पर एडवरटाइजमेंट निकाल कर कौन संस्था उस कम्युनिटी सैंटर का रख-रखाव कर सकती है, उसका मेंटीनेंस कर सकती है, उसके कुछ हिस्सों के अंदर सोशल सर्विस के प्रोजेक्ट्स चला सकती है और साथ में कम्युनिटी सैंटर से जुड़ी हुई जो एक्टिविटीज समाज के लिए जिसके लिए कम्युनिटी सैंटर बना है, वह भी जिस प्रकार से चलती है वह चलती

रहें, जो उसका बुकिंग का दूसरा सिस्टम है उसके आधार पर। यह जो घटना है यह उस कम्युनिटी सैंटर की है जो रोहिणी के अंदर पिछले अनेक वर्षों से चल रहा है। 2004 के अंदर अभी जो उस क्षेत्र की कारपोरेटर भी हैं शोभा विजेन्द्र। 2004 से औपचारिक तौर पर संपूर्णा नाम की संस्था के माध्यम से वो वहाँ पर अनेकों सोशल सर्विस के प्रोजेक्ट्स निभा रही हैं, जिनको उस क्षेत्र के अंदर भी और दिल्ली के अंदर भी उन प्रोजेक्ट्स के कारण बहुत प्रतिष्ठा भी मिली है। चाहे वो क्राइसिस सपोर्ट की सर्विसेस हो, चाहे वो बलात्कार पीड़ित महिलाओं के लिए समाज सेवा के प्रकल्प हों, गरीब महिलाओं को सिलाई इत्यादि सिखाने के ऐसे कई दर्जन किस्म के प्रोजेक्ट्स हैं जो वहाँ पर चल रहे हैं। पिछले दस वर्षों के अंदर मैं स्वयं भी एक-दो बड़े कार्यक्रमों में उस संस्था के वहाँ गया हूँ जहाँ मैंने देखा कि कितने मेहनत, ईमानदारी और लगन और समाज सेवा के भाव से वहाँ पर काम होता है। अभी उस क्षेत्र के विधायक ने पिछले सप्ताह औपचारिक तौर पर ऑनलाइन उस कम्युनिटी सैंटर का बुकिंग कराया। बुकिंग कराने के लिए कहा गया कि यहाँ पर कोई सुंदर कांड का पाठ कराया जाना है, उसमें किसी को कोई ऑब्जेक्शन नहीं हो सकता, वो नॉर्मल प्रक्रिया हो सकती है और फिर उसके बाद उसी स्थान पर सुंदर कांड का पाठ न कराकर दो-ढाई सौ, तीन सौ लोगों को ले जाकर लोगों को भड़का कर, लोगों को यह कहकर कि यह जनता की जमीन है इसको आप घेरिये, इसको आप इस महिला से छीनिये, महिला के साथ जो अभद्रता की जो पराकाष्ठा का जो-जो कुछ किया जा सकता है, वो सारा कुछ वहाँ पर किया गया। जितनी एक्सट्रीम लेवल की बदतमीजी हो सकती है वो की गई। वहाँ पर कोई सुंदर कांड का पाठ नहीं किया गया, लेकिन वहाँ पर आम आदमी पार्टी की पब्लिक मीटिंग करने की वहाँ पर घोषणा की गई, गाँव वालों को भड़काया गया ये जितने भी यहाँ पर बोर्ड लगे हैं इनको तोड़ दिया जाये इत्यादि-इत्यादि। और उसके बाद वहाँ पर काफी घंटों तक कहासुनी हुई है। पुलिस के अंदर कंप्लेंट्स इत्यादि हुई हैं। अध्यक्ष जी, यह बहुत ही गम्भीर विषय है। जो लोग सार्वजनिक जीवन में काम करने

के लिए आते हैं, मैं समझता हूँ कि उनका जो आचरण है इस प्रकार का किसी कीमत पर नहीं होना चाहिये। मैं यह चाहता हूँ इस खबर को पंजाब केसरी के बाद और भी आज मैंने देखा हिंदुस्तान टाइम्स अखबार में भी मैंने उस खबर के डिटेल्स पढ़े और मैंने वहाँ के लोगों से भी उसके बारे में जानकारी प्राप्त की, मुझे लगता है कि इस संदर्भ में हमारे चुने हुए प्रतिनिधि का जो आचरण है वो अत्यंत आपत्तिजनक है। इसी संदर्भ में मैं एक और घटना जो तीन-चार दिन पहले हुई है, दोनों एक तरह से मिलती-जुलती हैं, क्योंकि दोनों में शहर में planned ढंग से अराजकता फैलाने की उसके अंदर से बदबू आती है। राजन बाबू टीबी हॉस्पिटल दिल्ली का बहुत ही प्रतिष्ठित अस्पताल है और उसके अंदर लगभग बहुत लैंड है उसके अंदर 79 एकड़ जमीन है। बहुत वर्षों से वहाँ पर क्षय रोग से पीड़ित लोगों का इलाज होता है। मुझे 29 तारीख या 30 तारीख मुझे ध्यान नहीं कौन सी तारीख थी उस दिन, हमारे ही सदन के एक विधायक का टेलीफोन आया और उन्होंने मुझे कहा कि वो स्टेंडिंग कमेटी के कारपोरेशन के चेयरमैन भी रह चुके हैं अभी इस सदन के विधायक हैं। उन्होंने मुझे फोन करके कहा कि दो-ढाई सौ आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता आम आदमी पार्टी के नारे लगाते हुए, उनकी टोपी लगाकर और उन्होंने राजन बाबू टीबी अस्पताल के अंदर कुल्हाड़े लेकर वो आये हैं और वहाँ पर वो पेड़ काट रहे हैं, नारे लगा रहे हैं और झुग्गी-झोंपड़ी वालों को जो साथ में आये हैं उनको यह कहा जा रहा है कि यह सब जमीन जनता की जमीन है, यह सरकार की जमीन नहीं हो सकती, यह कारपोरेशन की जमीन नहीं है, यह अस्पताल की जमीन नहीं है इस जमीन के ऊपर जहाँ तुम्हें चाहिए वहाँ पर पेड़ कटवाइये, वहाँ पर अपनी झुग्गी डालिये। मैंने उनको कहा कि आप स्वयं स्टेंडिंग कमेटी के चेयरमैन रहे हैं आप अपने साथियों से बात करिये, अपने अधिकारियों से बात करिये।

उसके बाद अध्यक्ष जी, जो वहाँ पर डिप्टी स्टेंडिंग कमेटी के चेयरमैन हैं जो मेयर इत्यादि हैं उन्होंने intervenee किया, सरकार के अधिकारियों को सूचित किया गया, टीबी अस्पताल के Medical Superientedent ने intervene किया और उसके बाद हमारे जो डिप्टी चेयरमैन हैं स्टेंडिंग कमेटी के...**(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : डॉक्टर साहब, ऐसी बहुत कंप्लेंट्स हो गई ...**(व्यवधान)**

डॉ. हर्षवर्द्धन : अध्यक्ष जो, मेरे को अपनी बात पूरी करने दीजिए। यह मेरा राइट है। मुझे अपनी बात पूरी करने दीजिए। यह घटना अध्यक्ष जी बहुत गम्भीर है। इस घटना में हमारे डिप्टी स्टेंडिंग कमेटी के चेयरमैन ने भारत के होम मिनिस्टर को चिट्ठी लिखी है और भारत के होम मिनिस्टर ने जो है इस संदर्भ के अंदर इस विषय को गंभीर संज्ञान लेने के लिए प्रयास किया है। अखबारों में इस घटना के बारे में डिटेल्ड जानकारी अध्यक्ष जी आई हैं। मेरा यह कहना है...**(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : डॉक्टर साहब, ये सब बातें आप कल...**(व्यवधान)**

डॉ. हर्षवर्द्धन : अध्यक्ष जी, यह राजनीति का विषय नहीं है...**(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : आप वोट ऑफ थैंक्स में अपने वक्तव्य में बोल सकते हैं।

डॉ. हर्षवर्द्धन : कौन सी मर्यादाएँ हम स्थापित करना चाहते हैं दिल्ली में। आम आदमी पार्टी कौन सी मर्यादा दिल्ली में स्थापित करना चाहती हैं, इस सदन को फैसला करना पड़ेगा...**(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : यह आप कल वोट ऑफ थैंक्स में अपने वक्तव्य में बोल सकते हैं। सत्ता पक्ष को भी जवाब देने का मौका मिल जाएगा।

डॉ. हर्षवर्द्धन : अध्यक्ष जी, यह दिल्ली के अंदर इस तरह की अराजकता फैलाने का प्रयास करेंगे तो यह अराजकता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी...**(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : आपको इन बातों का जवाब चाहिये...**(व्यवधान)**

डॉ. हर्षवर्द्धन : सत्ता में आने का मतलब यह नहीं है कि सत्ता का इस प्रकार से दुरुपयोग किया जाएगा। चुना हुआ प्रतिनिधि बनने का मतलब यह नहीं है कि इस प्रकार से चुनी हुई महिला के साथ अभद्र व्यवहार किया जाएगा। यह सरकार के प्रोजेक्ट्स हैं, सरकार की जमीनें हैं, सरकार का अस्पताल है, उसके ऊपर इस तरह का व्यवहार किसी भी पार्टी को जो है, अपनी शक्ति का दुरुपयोग...**(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : डॉक्टर साहब, जो बातें आप कह रहे हैं वो हुई होंगी, आप बहुत ही सीनियर लीडर है, ये सब बातें आप कल वोट ऑफ थैंक्स में ...**(व्यवधान)**

डॉ. हर्षवर्द्धन : अध्यक्ष जी, मेरा प्रस्ताव है कि इस सदन में उस समय के कांड की घनघोर निंदा होनी चाहिए। आप सारे लोगों को निर्देश करिये, सारे मैम्बर्स को निर्देश करिये कि उनका व्यवहार इस प्रकार अभद्र नहीं होना चाहिये।

अध्यक्ष महोदय : आपको इनका जवाब चाहिये, कल वोट ऑफ थैंक्स में अपने इस वक्तव्य को रख सकते हैं ताकि सत्ता पक्ष के जो लोग हैं वो इसका जवाब दे सकें।

डॉ. हर्षवर्द्धन : अध्यक्ष जी, नहीं, यह जवाब देने का विषय नहीं है, यह सारा कुछ अखबारों में आया है ये इसमें जवाब क्यों देंगे, जवाब देने के लिए कुछ नहीं है इनके पास। कुछ भी जवाब देने के लिए नहीं है। उस दिन हमने बहुत सारी बातें रखी थीं हमें कोई जवाब नहीं मिला। हमारे को जवाब नहीं चाहिए। आप सदन की ओर से डायरेक्शन दीजिए कि इस तरह का अभद्र व्यवहार नहीं होना चाहिए।...**(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : प्लीज आप बैठ जाइए। कल वोट ऑफ थैंक्स में बोल लीजिए।

डॉ. हर्षवर्द्धन : अध्यक्ष जी, यहां अराजकता फैलाने की कोशिश की जा रही है।

अध्यक्ष महोदय : प्लीज आप बैठ जाइए। आज का जो उपराज्यपाल जी का अभिभाषण था उसके बाद हमने दिवंगत आत्माओं के सम्मान में दो मिनट का मौन रख लिया है और अब सदन की बैठक कल दिनांक 7 जनवरी, 2014 को अपराह्न 2.00 तक के लिए स्थगित की जाती है।

(सदन की बैठक 7 जनवरी, 2014 को अपराह्न 2.00 तक के लिए स्थगित की गई)